दैनिक
मेरठ दर्पण

RNI. NO. UPHIN/2016/69845
वर्षः 05 अंक 134 मेरठ, सोमवार 30 नवंबर, 2020, पृष्ठ 4 मूल्य एक रूपया

यदि आप कोई खबर या फोटो हमें भेजना चाहते है तो ई-मेल या व्हाट्सप ऐप पर भेज सकते है।

mrtdarpan@gmail.com

आईना सच का...

WWW.MEERUTDARPAN.com YouTube/meerut darpan news Whatsapp:- 9897419837

काशी प्रयागराज की दूरी हुई कम, पर्यटकों को मिलेगी सुविधाः पीएम मोदी

वाराणसी, एजेंसी। लंबे अरसे बाद प्रधानमंत्री आज सोमवार की दोपहर वाराणसी को योजनाओं की सौगात देंगे तो वहीं देव दीपावली पर भी वह शामिल होंगे और काशी के दिव्य और भव्य आयोजन का भी वह हिस्सा बनेंगे। सोमवार को दोपहर 12 बजते ही प्रशासन ने सकियता बढ़ा दी और सुरक्षा चाक चौबंद करते हुए अधिकारियों की चयनित स्थानों पर तैनाती शुरू कर दी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बटन दबा कर सिक्स लेन का लोकार्पण किया। 73 किलोमीटर का यह मार्ग प्रयागराज व वाराणसी को जोड़ेगा। दिसंबर 2014 से इस मार्ग का निर्माण कार्य शुरू किया गया था। मेरी पहली जनसभा पहले जब यहां पर हुई थी तब यह चार लेन का था अब यह सिक्स लेन का हो गया। इससे सिक्स लेन के बनने से यातायात की सुविधा बेहतर होगी। काशी व प्रयाग राज के बीच आना जाना और आसान हो गया। कांवरियों को सुविधा होगी इससे कुंभ के दौरान भी लाभ मिलेगा। बेहतर मार्ग होने से पर्यटकों को काफी लाभ होगा। सड़क निर्माण से विकास का पहिया भी तेज हो जाता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संबंधन शुरू करने से पूर्व काशीवासियों को प्रणाम किया। देवदीपावली, गुरु नानक जयंती व कार्तिक पूर्णिमा की बधाई दी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का देव दीपावली पर बनारस आगमन के पीछे गहरा उद्देश्य छिपा है। कोविड-19 संक्रमण काल में काशी से विश्व

को बड़ा संदेश देने की मंशा है। महामारी के बीच उत्सव को कैसे मनाया जा सकता है, पूरा आयोजन इस उद्देश्य में सिमट गया है।

दोपहर में पीएम के आगमन के पूर्व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लाल बहादुरशास्त्री अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट बाबतपुर पहुंच गए। सीएम इस दौरान वहां पर तैयारियों का जायजा लेने के साथ ही पीएम मोदी का स्वागत करने के बाद सभी कार्यक्रमों में शामिल रहेंगे। सीएम योगी आदित्यनाथ ने भाजपा नेताओं और पदाधिकारियों के साथ पुराने टर्मिनल भवन के वीआइपी लाउंज में नेताओं और अधिकारियों संग बैठक भी की। वहीं दोपहर 2.10 बजे पीएम विशेष विमान (बोइंग 777-300 ईआर) से आए तो मुख्यमंत्री ने एयरपोर्ट पर उनका स्वागत किया। स्वागत के बाद पीएम हेलीकॉप्टर से कार्यक्रम स्थल खजूरी के लिए प्रस्थान कर गए।

एयरपोर्ट पर हुआ स्वागत

बाबतपुर हवाई अड्डे पर उतरने के बाद एप्रन पर सीएम योगी आदित्यनाथ, राज्य मंत्री आशुतोष टंडन, नीलकंठ तिवारी और रविन्द्र जायसवाल, सांसद मछलीशहर वीपी सरोज, राधा मोहन सिंह, स्वतंत्र देव सिंह, विधायक सौरभ श्रीवास्तव, अवधेश सिंह, लक्ष्मण आचार्य, अशोक धवन, चेयरमैन अपराजिता सोनकर, महापौर मृदुला जायसवाल, महेशचंद्र श्रीवास्तव, विद्यासागर राय आदि लोगों में उनकी आगवानी की। इस दौरान प्रधानमंत्री ने लोगों से कुशल क्षेम पूछा, उसके बाद दोपहर 2:35 बजे वायुसेना के हेलीकॉप्टर से प्रधानमंत्री खजूरी, मिर्जामुराद के लिए प्रस्थान कर गए। पीएम दोपहर दो बजे बाबतपुर एयरपोर्ट पहुंचने के बाद 2.35 खजुरी मिर्जामुराद सिक्स लेन लोकार्पण और जनसभा को संबोधित करेंगे।

रोडवेज बस में लगी आग, यात्रियों ने कूदकर बचाई जान

स्याना। देर रात यात्रियों से भरी राज्य परिवहन निगम की बस में आग लग गई। बस में आग लगते ही चीख-पुकार मच गई तथा चालक परिचालक व यात्रियों ने बस से कूदकर अपनी जान बचाई। यात्रियों के बस में रखे जरूरी सामान से भरे बैग जलकर राख हो गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने बस में लगी आग को बुझाने का प्रयास किया, लेकिन आग के शोलों ने बस को जलाकर राख कर दिया। स्याना कोतवाली क्षेत्र के स्याना-नरसेना नहर मार्ग स्थित ग्राम माकड़ी के निकट रविवार की देर रात्रि अचानक एक रोडवेज बस में आग लग गई। बस में आग लगने से बस में सवार यात्रियों में चीख-पुकार मच गई। ड्राइवर व कंडक्टर व बस में

सवार यात्रियों ने किसी तरह कूद कर अपनी जान बचाई तथा घटना की जानकारी कोतवाली पुलिस को दी गई। कोतवाली पुलिस ने मौके पर पहुंचकर बस में लगी आग को बुझाने का प्रयास किया, लेकिन तब तक बस जलकर पूरी तरह राख हो गई। कोतवाली प्रभारी जितेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि बस का चालक देर रात्रि साहिबाबाद डिपो की बस को कौशांबी से लखनऊ की तरफ जाने वाली बस को गढ़ में जाम होने के कारण स्याना-नरसेना नहर मार्ग रास्ते से अनूपशहर की तरफ जा रहा था। शार्ट सर्किट की वजह से बस में अचानक आग लग गई। बस में लगभग 52 यात्री सवार थे, सभी यात्री बाहर सुरक्षित निकाले गए। बस यात्रियों को वाहन द्वारा सुरक्षित भेजा गया। कोतवाल ने बताया कि ड्राइवर कंडक्टर व यात्रीगण पूरी तरह सुरक्षित हैं। पुलिस घटना की जांच कर रही है।

मतदाता सम्मेलन का हुआ आयोजन

औरंगाबाद। ब्लॉक लखावटी ग्राम शिवाली में शिवाली मंडल मंडल के कार्यकर्ताओं मतदाताओं की विधान परिषद मेरठ सहारनपुर खण्ड (स्नातक) को लेकर अनूपशहर विधानसभा के स्नातक मतदाता सम्मेलन

आयोजित हुआ जिसमें संजय शर्मा (अनूपशहर विधायक) ने भाजपा प्रत्याशी दिनेश गोयल को भारी मतों से विजयी बनाने की गत दिवस अपील की सम्मेलन की अध्यक्षता अशोक कपासिया ने की एमएलसी स्नातक वोटर व विधानसभा प्रभारी त्रिलोक चंद गुर्जर व जिला पंचायत सदस्य संतपाल (मसीटा)व अमरपाल सिंह लोधी सराय छबीला वेदपाल सिंह लोधी मंडल महामंत्री आदि कार्यकर्ता बंधु और बहुत ही संख्या में एमएलसी वोटर स्नातक मतदाताओं ने अपनी उपस्थिति रहे।

मुख्य सचिव का जिलाधिकारियों को नाइट कर्फ्यू लगाने का निर्देश

लखनऊ, एजेंसी। कोरोना वायरस संक्रमण के एक बार फिर बढ़ते प्रसार को लेकर उत्तर प्रदेश सरकार बेहद सक्रिय हो गई है। उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव आरके तिवारी ने जिलाधिकारियों को कोरोना वायरस संक्रमण की स्थिति का आंकलन करके जिलों में नाइट कर्फ्यू लगाने का निदेश जारी कर दिया है। सीएम योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर उत्तर प्रदेश में कोविड प्रोटोकाल का काफी सख्ती से पालन कराया जा रहा है। इसी बीच लगातार बढ़ते मामलों को देखकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मुख्य सचिव राजेंद्र कुमार तिवारी से तत्काल ही नया प्लान बनाने का निर्देश दिया । इसके तहत मुख्य सचिव ने सभी जिलाधिकारियों को जिले में कोरोना की स्थिति का गहन आकलन करने के बाद अपने स्तर से जिलों में नाइट कर्फ्यू लगाने का निर्देश दिया है। उत्तर प्रदेश में कोरोना वायरस संक्रमण के एक बार फिर बढ़ते प्रसार को लेकर योगी आदित्यनाथ सरकार ने नई गाइडलाइन जारी कर दी है। इसमें कोरोना संक्रमण के प्रसार को देखते हुए जिला प्रशासन को स्थानीय प्रतिबंध लागू करने को अधिकार दिया गया है। अगर मामला गंभीर हो रहा है तो इसमें रात्रि कर्फ्यू भी शामिल है। गाइडलाइन एक दिसंबर से अग्रिम आदेश तक राज्य में लागू रहेगी। कोरोना वायरस संक्रमण पर काबू पाने के लिए मुख्य सचिव की ओर से नए दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। इन दिशा-निर्देशों के मुताबिक कोरोना संक्रमण पर नियंत्रण के लिए जिलाधकारी स्थानीय परिस्थितियों का आकलन करते हुए रात्रि कर्फ्यू भी घोषित कर सकते हैं। सार्वजनिक स्थानों पर शारीरिक दूरी का पालन कराने के लिए धारा 144 लगाने का भी निर्देश दिया गया है।

मुख्य सचिव राजेंद्र कुमार तिवारी ने कोरोना की गाइड लाइन जारी करते हुए बताया कि उत्तर प्रदेश को कोरोना के खिलाफ महत्वपूर्ण उपलब्धि मिली है। यहां कोरोना के सक्रिय केस में निरंतर कमी आ रही है, लेकिन पिछले कुछ सप्ताह में राज्य के कुछ क्षेत्रों में सक्रिय केस में वृद्धि होने के भी संकेत मिले हैं। त्यौहार के सीजन के साथ ही ठंड और कोविड प्रोटोकॉल का पालन करने में लापरवाही की वजह से कुछ क्षेत्रों में कोरोना के संक्रमण बढने के संकेत मिल रहे हैं। ऐसे में पूरी सावधानी बरतने की जरुरत है।

रात्रि कर्फ्यू लगाने का निर्णय ले सकेगा स्थानीय प्रशासन

मुख्य सचिव ने कहा कि कंटेनमेंट जोन की कार्य योजना को और सख्ती से लागू करने और निरंतर निगरानी की आवश्यकता है।

2

दैनिक:- मेरठ दर्पण

मेरठ, सोमवार
30 नवंबर, 2020

श्री गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व पर रोशनी में नहाए गुरुद्वारे

मेरठ दर्पण मेरठ(सुरेद्र पाल सिंह)। मेरठ में आज सभी गुरुद्वारों में श्री गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व को लेकर कीर्तन दरबार सजाया गया मेरठ कंकरखेड़ा स्थित गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा में गुरु नानक देव जी का प्रकाश बहुत ही श्रद्धा भाव और प्यार से मनाया गया जिसमें गुरुद्वारा साहिब में बड़ी संख्या में समूह संगत ने मत्था टेक कर भाग लेकर गुरु महाराज जी का आशीर्वाद प्राप्त किया गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा में 3 दिन से चल रहे श्री अखंड पाठ साहिब का आज सुबह भोग डाला गया उस उपरांत बहन मानकर किधर ने कीर्तन कर वहां बैठे संगत को निहाल किया तत्पश्चात गुरुद्वारे के भाई अनुज सिंह द्वारा सतगुरू नानक परगटेया मिट्टी धुंघ जग चानन हुआ शब्द पर मां बेटे संगत को भाव विभोर कर दिया वक्ताओं में गुरुद्वारे के प्रधान ने बताया श्री गुरु नानक देव जी ने समाज में फैले पाखंड ऊंच-नीच जाती पाती के भेदभाव को अपने अमूल्य पर वचन द्वारा मिटा दिया गुरु नानक देव जी ने कहा था नाम जपो मेहनत करो बांट कर खाओ का सुनहरी संदेश देते हुए एक पंक्ति में बैठाकर लंगर खाने की प्रथा को आरंभ करो छोटे बड़े का भेदभाव ही समाप्त कर दिया तथा उपरांत गुरु का लंगर अटूट वितरित किया गया तथा गुरुद्वारों में

जगह-जगह गुरुद्वारों में कीर्तन दरबार का आयोजन
गुरुद्वारों को सुंदर लाइट को फूलों से सजाया गया

अपील की गई कि आज रात्रि को समूह संगत अपने-अपने घरों में दीपमाला करें कार्यक्रम में गुरबचन सिंह ढिल्लों ,मनजीत सिंह कोछड़ ,तेजवंत सिंह तेजी, धीर सिंह ,हरमिंदर मजीठिया, सुरेंद्र सिंह, गुरमेज सिंह, इकबाल सिंह ,सतपाल सिंह, किशन छाबड़ा, अजीत सिंह आदि का तथा गुरुद्वारा कमेटी का पूर्ण सहयोग रहा।

छात्रा के साथ छेड़छाड़ के मामले में तीन नाबालिग गिरफ्तार

मेरठ, एजेंसी। मेरठ में रविवार की रात कोचिंग सेंटर से लौट रही एक छात्रा के साथ छेड़छाड़ के मामले में पुलिस ने तीन नाबालिग छात्रों को गिरफ्तार कर लिया है। तीनों के खिलाफ केस दर्ज करके जेल भेजा जाएगा। छेड़छाड़ को लेकर रात में ही पथराव और मारपीट हो गई थी। नौचंदी पुलिस ने तीन आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया है। छेड़छाड़ को लेकर थाने पर बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने हंगामा काटा था।

गौरतलब है कि बीती रात नौचंदी क्षेत्र के आरटीओ के समीप पांच छात्रों ने छात्रा के साथ छेड़छाड़ की वारदात को अंजाम दिया था। छात्रा के सहपाठी ने जब इसका विरोध किया तो मनचलों ने उसका जमकर पीटा था और पथराव

भी किया गया। सूचना पर पहुंची पुलिस को देख आरोपित मौके से फरार हो गये थे। छेड़छाड़ की घटना की जानकारी पर बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने मौके पर पहुंचकर जमकर हंगामा काटा था। बाद में पुलिस ने इस मामले में तीन नाबालिग छात्रों शाहउमर, तालिब और जुनैद को गिरफ्तार कर लिया, इन सभी के खिलाफ केस दर्ज करके जेल भेजा जाएगा।

कार ने साइकिल सवार को मारी टक्कर, घायल

मेरठ, एजेंसी। मेरठ में आनंद हॉस्पिटल के समीप तेज रफ्तार कार ने साइकिल सवार को टक्कर मार दी। हादसे में साइकिल सवार व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद आरोपित मौके से फरार हो गया।

खरखौदा निवासी रमेश भावनपुर स्थित रिश्तेदारी में साइकिल से जा रहे थे। गढ़ रोड स्थित आनंद हॉस्पिटल के समीप तेज रफ्तार कार ने उन्हें टक्कर मार दी और वह गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने कार चालक को पकड़ने का प्रयास भी किया। लेकिन वह फरार हो गया।

स्थानीय लोगों ने घायल को निजी अस्पताल में

भर्ती करा दिया है। मेडिकल थाना प्रभारी का कहना है कि मामला अभी संज्ञान में नहीं है पुलिस को मौके पर भेजा गया है। तहरीर मिलने पर आरोपित कार चालक की तलाश कर कार्रवाई की जाएगी।

हस्तिनापुर में भीकुंड गंगा घाट पर श्रद्धालुओं ने किया स्नान

मेरठ, एजेंसी। मेरठ और आसपास के जिलों में सोमवार को कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने गंगा और यमुना नदी में स्नान किया। भोर में ही श्रद्धालुओं की भीड़ घाटों पर पहुंच गई थी। हस्तिनापुर में भीकुंड गंगा घाट पर श्रद्धालुओं ने गंगा स्नान किया, साथ ही आज के दिन दान पुण्य भी किया गया। इस मौके पर शामली, मुजफ्फरनगर और बागपत में भी श्रद्धालुओं की भीड़ नजर आई। हस्तिनापुर में भीकुंड गंगा घाट पर दिन निकलते ही घाट पर श्रद्धालुओं की भीड़ नजर आई। सुरक्षा कारणों से पुलिस बल भी तैनात रहा।

शामली में हजारों श्रद्धालु यमुना नदी में स्नान करने पहुंचे। इस दौरान सूर्यदेव को अर्घ्य देकर परिवार की सुख-शांति व खुशहाली के लिए भगवान से प्रार्थना की। सोमवार की सुबह चार बजते ही यमुना पर श्रद्धालुओं का आवागमन जारी हो गया था। वहीं प्रशासन के निर्देश पर स्नान के चलते यमुना नदी पर पुलिस व स्थानीय गोताखोर तैनात दिखाई दिये।

सोमवार को कार्तिक मास शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा के दिन सूर्योदय से पूर्व ही यमुना नदी पर श्रध्दालुओं का आवागमन जारी हो गया था। सूर्यदेव के उदय होने से पहले ही श्रद्धालुओं की यमुना के दोनों किनारों पर भीड़ एकत्र हो गई थी। इस दौरान कोहरे के प्रकोप से यमुना घाट पर अंधेरा छाया रहा, ठंड भी बढ़ी, लेकिन श्रद्धालुओ की आस्था पर ठंड व कोहरे के कोई असर देखने को नहीं मिला।

मुजफ्फरनगर के खतौली में कार्तिक पूर्णिमा के अवसर रविवार को श्रद्धालुओं ने सुबह गंग नहर में स्नान किया। श्रद्धालुओं विधि विधान से पूजा अर्चना की। वस्त्रों, दाल व आटे का दान किया। गंगा मैया से परिवार में सुख-समृद्धि की कामना की गई ।

गंग नहर का उद्गम हरिद्वार से होने से श्रद्धालु गंग नहर को गंगा का स्वरूप मानते है। गंगा स्नान के मौके पर नगर और देहात क्षेत्र से बड़ी संख्या में लोग स्नान करने आते हैं।

बर्बाद हो रहा था पेयजल, सारथी संस्था ने बंद कराया लीकेज

मेरठ, एजेंसी। मेरठ शहर में पेयजल बर्बाद होता रहता है लेकिन, सुनवाई के बाद भी नगर निगम की ओर से कार्रवाई नहीं होती। हालांकि कुछ लोग ऐसे भी हैं जो सिर्फ शिकायत के बाद निगम का ही इंतजार नहीं करते। वह खुद पहल करते हैं। ऐसा ही किया सारथी संस्था ने। काम बेहद छोटा है पर जब मेरठ डार्क जोन बन चुका है तब ऐसे प्रयास सराहनीय हो जाते हैं।

कंकरखेड़ा लाला मेहमदपुर में कुटी के पास शिव मंदिर के सामने पिछले दो-ढाई महीनों से पानी की पाइप लाइन फटी हुई थी, जिसकी वजह से वहां से कई हजार लीटर पानी बर्बाद हो रहा था। वहां से पहले भी लोग इसकी शिकायत नगर निगम में कर चुके थे, लेकिन कोई सुनवाई नही हुई ।मंदिर जाने वाले लोग भी वहां से गुजरने में परेशान होते थे। वहां के लोगो ने सारथी संस्था की अध्यक्ष कल्पना पांडेय से इसकी शिकायत की जिसके बाद कल्पना पांडेय ,ऋषभ सिंह ने नगर निगम की टीम बुला के पानी की लीकेज ठीक करवाई। अध्यक्ष कल्पना पांडेय ने कहा कि जहां एक ओर जलसंरक्षण को लेकर सरकार द्वारा कई योजनाएं चलाई जा रही है, वही दूसरी ओर इस तरह से हो रही पानी की इतनी बर्बादी देख दुख होता है। हम सभी को जल संरक्षण के लिए जागरूक होना होगा नहीं तो भविष्य में सभी को जलसंकट जैसी गंभीर समस्या से जूझना पड़ेगा।

कंकरखेड़ा में चलाया गया मतदाता सम्पर्क अभियान

मेरठ दर्पण, मेरठ। कंकरखेड़ा मण्डल क्षेत्र में मेरठ - सहारनपुर निर्वाचन क्षेत्र विधान परिषद एमएलसी स्नातक चुनाव हेतु भाजपा नेता अजय दीवान के नेतृत्व में घर-घर जाकर पर्ची वितरण कर अभियान चलाया गया जिसमें प्रत्येक मतदाता से भाजपा प्रत्याशी दिनेश कुमार गोयल को भारी मतों से विजय बनाने हेतु अपील की गई इस अभियान में मुख्य रूप से उदबोध सिंह,सजंय शर्मा,मयंक गुप्ता व विकास वर्मा,बृजपाल, विनोदराज आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मेरठ जिले से लगातार यूपी गेट पहुंच रहे किसान

मेरठ, एजेंसी। केंद्र सरकार के कृषि कानून के विरोध में हरियाणा व पंजाब के किसानों को समर्थन देते हुए भारतीय किसान यूनियन के कार्यकर्ता व पदाधिकारी लगातार मेरठ जिले के अलग-अलग हिस्सों से दिल्ली के लिए कूच कर रहे हैं। सोमवार को सरधना से तहसील अध्यक्ष अशफाक प्रधान, बहसूमा से युवा जिलाध्यक्ष उदयवीर, जंगेठी से संगठन मंत्री सत्यवीर जंगेठी, कंकरखेड़ा से प्रेस प्रवक्ता बबलू जटौली के नेतृत्व में किसानों का समूह मेरठ से रवाना हुआ है।

यूपी गेट पर रोका गया

बता दें कि शनिवार को भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत अपने पूरे काफिले के साथ दिल्ली कूच कर गए थे। लेकिन उन्हें यूपी-दिल्ली सीमा पर यूपी गेट पर ही रोक दिया गया। यूपी गेट पर बने पुल के नीचे राकेश टिकैत के साथ किसानों ने पिछले दो दिनों से डेरा डाल रखा है। भाकियू का कहना है कि वह बुराडी जाकर वार्ता नहीं करेंगे। वह जंतर-मंतर, रामलीला मैदान या संसद भवन के पीछे सभी किसानों की मौजूदगी में वार्ता करने के पक्षधर हैं।

सरकार की शर्त पर नहीं होगी बातचीत - राकेश टिकैत

भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत ने कहा कि वह किसी भी हाल में सरकार की शर्तों पर बातचीत नहीं करेंगे। सरकार की

ओर से बुराडी के निरंकार मैदान में किसानों के प्रतिनिधिमंडल को वार्ता करने के लिए आमंत्रित किया गया था। लेकिन किसान संगठनों ने वहां जाने से इंकार कर दिया। राकेश टिकैत ने कहा कि वह सब किसानों के सामने खुले मैदान में वार्ता करेंगे। इसके लिए जंतर मंतर, रामलीला मैदान, संसद भवन के पीछे कहीं भी किसानों के साथ बुला लिया जाए, तो वह तैयार हैं। उन्होंने कहा कि वह पूरी तरह से स्पष्ट है। सरकार को कृषि कानून को वापस लेकर एमएसपी लागू करना होगा। इससे कम में बात नहीं बनेगी। राकेश टिकैत के साथ उनके पुत्र गौरव टिकैत भी यूपी गेट पर मौजूद हैं।

राशन व रजाई लेकर तैयार हैं किसान - जिलाध्यक्ष

भाकियू जिलाध्यक्ष मेरठ मनोज त्यागी ईकडी ने कहा कि जिला संगठन का प्रत्येक कार्यकर्ता इस आंदोलन में एकजुट और संगठित है। मेरठ जिले में हर कोने से भाकियू कार्यकर्ता आंदोलन में शामिल है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक कार्यकर्ता अपनी रजाई व राशन के साथ यूपी गेट पर मौजूद हैं। चार महीने तक भी आंदोलन चला तो वह सभी के साथ डटे रहेंगे। किसी भी हाल में किसानों को उनका हक दिलाकर रहेंगे।

मेरठ से यह रहे मौजूद

मेरठ भारतीय किसान यूनियन से जिलाध्यक्ष मनोज त्यागी ईकडी, भारतीय किसान आंदोलन के कुलदीप त्यागी, संयोजक गजेंद्र सिंह, संगठन मंत्री सत्यवीर जंगेठी, हरेंद्र जानी, प्रेस प्रवक्ता बबलू जटौली, रविंद्र दौरालिया व राजकुमार करनावल आदि मौजूद हैं।

मालिक, मुद्रक प्रकाशक अंकित गुप्ता ने न्यू गोस्वामी प्रिन्टिग प्रेस, 44, हनुमानपुरी सूरज कुण्ड रोड, मेरठ से छपवाकर कार्यालय 12 मैथनिया मौहल्ला, कंकरखेडा, मेरठ कैंट (उ.प्र.) से प्रकाशित किया।

सम्पादक:- अंकित गुप्ता

मो. 9897419837

RNI. NO. UPHIN/2016/69845

mrtdarpan@gmail.com

मेरठ दर्पण में प्रकाशित समस्त रचनाओं एवं विज्ञापनदाताओं के अपने विचार है इसके लिए मेरठ दर्पण की किसी भी तरह की जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र मेरठ ही होगा।

3 दैनिक:- मेरठ दर्पण मेरठ, सोमवार 30 नवंबर, 2020

सम्पादकीय

जम्मू-कश्मीर में जमीनी लोकतंत्र का आगाज

लंबे अरसे तक अनुच्छेद 370 की जकड़न में फंसे रहे जम्मू-कश्मीर की जमीन पर सही मायनों में लोकतंत्र पनपने वाला है। राज्य में पंचायत चुनाव के बाद अब डीडीसी यानी डिस्ट्रिक्ट डेवलपमेंट काउंसिल भी अपने स्वरूप मे आ जाएगा। अब जनता अपने जिले के भविष्य की तकदीर का खाका खुद खींचेगी। वास्तव में यह स्वतंत्र भारत के इतिहास में यह पहला अवसर है जब इस प्रदेश में जमीनी लोकतंत्रए जनभागीदारीए लोक अधिकार और संवैधानिक प्रावधान पूर्ण रूप से आकार लेंगे। निश्चित ही यह सुखद क्षण होगा।ज्यादा सुखद इसलिएए क्योंकि प्रदेश के स्वार्थी नेताओं को जनता ने अहसास कराना शुरू कर दिया है कि वह उनके हाथ की कठपुतली नहीं है। यही कारण है कि वर्षों तक मनमानी करने वालेए प्रदेश की जनता को भ्रमित करने के साथ साथ पूरे देश को डराने.धमकाने वाले नेता अब खुद डरे हुए हैं। उन्हें अब अपने राजनीतिक अस्तित्व का भय सताने लगा है। राज्य में शनिवार से डीडीसी चुनाव के पहले चरण का आगाज होने जा रहे हैं। ये चुनाव कुल आठ चरणों में होने हैं। सभी दल इस चुनाव में हिस्सा ले रहे हैं। नेशनल कांफ्रेंस और पीडीपी जैसे गुपकार समझौते वाले वे दल भी, जो इस चुनाव को साजिश करार दे रहे थे। उन्होंने इसमें हिस्सा लेने से मना कर दिया था। अब उन्हें महसूस हो गया कि ऐसा करना उनके सियासी वजूद को खतरे में डाल सकता है। असल में इस पूरे प्रकरण की पटकथा तभी लिख दी गई थी जब मोदी सरकार ने राज्य में मनोज सिन्हा जैसे सक्रिय राजनेता को उपराज्यपाल बनाकर भेजा। सिन्हा जनसंपर्क और जनसंवाद की ताकत समझते हैं और इसीलिए राज्य की कमान संभालते ही उन्होंने नौकरशाहों को स्पष्ट निर्देश दिया था कि जनता से लगातार मुलाकात होनी चाहिए। उनकी समस्या सुनी जाए और उन परेशानियों का समय से हल निकाला जाए। निचले स्तर पर पंचायत चुनाव हो चुका था और शीर्ष स्तर से लगातार जनसंपर्क और विश्वास बहाली पर जोर दिया जा रहा था। एक घटना के बाद जिस तरह सिन्हा सेना को रोककर खुद ही गांव तक पैदल गए, उससे जनता में भरोसा बढ़ा। ऐसे कदम विश्वास बहाली में आवश्यक सेतु का काम करेंगे। ऐसे में जब केंद्र सरकार ने प्रदेश के कैबिनेट मंत्रियो और सांसदोंए विधायकों वाली डिस्ट्रिक्ट डेवलपमेंट बोर्ड की जगह पूरी तरह चुनाव से बनने वाली डीडीसी को हरी झंडी दिखाई तो प्रादेशिक नेताओं के पांव तले जमीन ही खिसक गई।

चीन और पाकिस्तान की नापाक जुगलबंदी

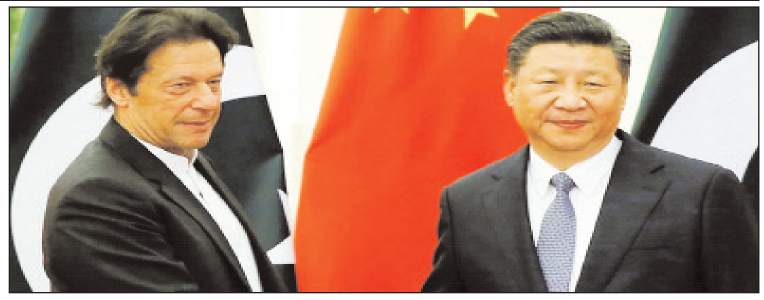

र्जिकल स्ट्राइक, बालाकोट में भारतीय वायुसेना की कार्रवाई और भारतीय सुरक्षा एजेंसियों द्वारा आतंकी संगठनों के स्लीपर सेल्स पर लगातार प्रहार के चलते पिछले कुछ वर्षों से पाकिस्तान के लिए इस प्रकार के आतंकी हमले करा पाना संभव नहीं रह गया है। ऐसे में उसके पास दीवाली की पूर्व संध्या पर सीमा पर भारतीय सुरक्षा बलों और नागरिकों पर हमला करना ही एकमात्र विकल्प रह गया है। यह दिखाता है कि भारत द्वारा पाकिस्तान समर्थित आतंकी हमलों के जवाब में की गई सैन्य कार्रवाई से पाकिस्तान सहमा तो अवश्य है, पर उसकी मूल प्रवृत्ति अभी भी वही है।

अगर पाकिस्तान के आर्थिक हालात इतने खराब न होतेए एफ्एटीएफ की काली सूची में डाले जाने का खतरा उसके सिर पर न मंडरा रहा होता और घरेलू मोर्चे पर भयानक राजनीतिक अस्थिरता न होती तो पाकिस्तान वही कर रहा होताए जो वह सदा से करता आया है। यह भी मान कर चलना चाहिए कि पाकिस्तान को बस जरा-सी सांस लेने के लिए अवसर का ही इंतजार है। अमेरिका में ट्रंप प्रशासन पाकिस्तान समर्थित आतंकी हमलों के बाद भारत की जवाबी सैन्य कारवाई का समर्थक रहा था। पुलवामा हमले के बाद तो ट्रंप ने सार्वजनिक तौर पर कह दिया था कि भारत को जवाबी हमला करने से रोकना संभव नहीं है। अब अमेरिका में राजनीतिक उठापटक के बीच जो बाइडन की संभावित जीत से पाकिस्तान को लगता है कि न सिर्फउस पर अमेरिकी दबाव कम होगाए बल्कि उसके आका देश चीन पर भी बाइडन ट्रंप की अपेक्षा नरम रहेंगे। फ्लििहाल सीमा पर पाकिस्तान द्वारा की जा रही फायरिंग का एक उद्देश्य चीन के इशारे पर भारत पर मनोवैज्ञानिक दबाव पैदा करना भी है। अप्रैल से पूर्वी लद्दाख के कई क्षेत्रों में जमी चीनी सेना गलवन की घटना के बाद से शह.मात के खेल में फंस चुकी है। अगस्त के आखिर में भारतीय सेना द्वारा पैंगोंग झील के दक्षिणी किनारे पर 19 किमी की लंबाई में कैलाश पर्वत श्रृंखला की सामरिक चोटियों को कब्जे में लिए जाने से सैन्य स्तर पर चीन की बड़ी किरकिरी हुई है। वैश्विक स्तर पर पहला संदेश यह गया है कि कोई देश हैए जो चीन की दादागीरी से डरने के बजाय डटकर खड़ा है। दूसरा बड़ा संदेश यह भी गया कि एशिया में चीन अजेय ही रहेगाए ऐसा नहीं है।ये घटनाक्रम चीन के लिए तो चिंताजनक हैं हीए पूरी तरह उस पर निर्भर पाकिस्तान के लिए भी कहीं अधिक चिंताजनक हैं।

पाकिस्तानियों को सदा से आशा रही है कि भारत से सैन्य टकराव की स्थिति में चीन उनकी मदद को आगे आएगाए पर फिलहाल की स्थिति ऐसी बन चुकी है कि चीन ही उम्मीद कर रहा है कि लद्दाख की हाथ-पैर गला देने वाली ठंड में फंसी उसकी सेना को राहत देने के लिए पाकिस्तान कुछ कदम उठाए।

इस परिस्थिति का प्रभाव पाकिस्तान द्वारा सीमा पर की जा रही भीषण गोलाबारी और भारत से युद्ध की स्थिति में गिलगिट-बाल्टिस्तान में स्कार्दू जैसे अपने वायुसैनिक ठिकानों को चीन को देने की चर्चाओं के तौर पर देखा जा सकता है। इसका भूराजनीतिक प्रभाव यह है कि चीन के इशारे पर पाकिस्तान अपने कब्जे वाले कश्मीर से गिलगिट.बाल्टिस्तान को अलग कर उसे अलग प्रांत के तौर पर सीधा पाकिस्तान का भाग बनाने के

राहत: मौत के सिलसिलों पर लगी लगाम

मेरठ। सीएम की फटकार का असर 24 घंटे में नजर आया। रविवार को कहीं से भी किसी संक्रमित की मौत की मनहूस खबर नहीं मिली है। हालांकि कोरोना संक्रमण के 215 नए केस मिले हैं। इतनी बड़ी संख्या में केसों के मिलने को स्वास्थ्य विभाग संक्रमण के विस्फोट की संज्ञा दे रहा है।

रविवार की रात सीएमओ डा. अखिलेश मोहन ने अपडेट जारी करते हुए 215 नए केसों के मिलने की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि रविवार को 4244 सैंपल जांच के लिए भेजे गए थे। मेडिकल की माइक्रोबॉयलोजी लैब से अभी 765 सैंपलों की रिपोर्ट आना बाकी है।

संक्रमितों में बड़ी संख्या आज भी छात्रों, कैदियों, हेल्थ केयर वर्करों, घरेलू कामकाजी महिलाओं, कारोबारियों की है। बड़ी संख्या में नए केसों के मिलने का सिलसिला रविवार को भी जारी रहा। जिन इलाकों से केस मिल हैं, उनमें जैन नगर, मोदीपुरम, लावड़, आरएफ पूठा कुंडा, शास्त्रीनगर, चेतन्य पुरम, जागृति विहार, महावीर जी नगर लल्लापुरा, शिवाजी रोड, इंद्रानगर, सदर रजबन छोटा बाजार, आदर्श नगर, सोतीगंज सदर, सोमदत्त विहार, मलियाना, प्रभात नगर, केसरगंज, मीनाक्षीपुरम, तिवारी कैंपस सरीखे इलाके शामिल हैं।

ये बोले-सीएमओ

सीएमओ डा. अखिलेश मोहन ने बताया कि संक्रमण खासतौर से संक्रमितों की मौत मामलों पर प्रभावी नियंत्रण के भरसक प्रयास किए जा रहे हैं। प्रयासों के चलते ही रविवार को मौत की कोई खबर नहीं आयी। रिकवरी रेट बढ़ाने का पूरा प्रयास किया जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग की पूरी टीम संक्रमण को काबू पाने में लगी है। आने वाले दिनों में बेहतर परिणाम देखने को मिलेंगे।

ये बोले-मेडिकल प्राचार्य का

मेडिकल प्राचार्य डा. ज्ञानेन्द्र कुमार ने बताया कि कोविड-19 आइसोलेशन वार्ड में संक्रमितों की हालात पर बराबर नजर रखी जा रही है। सीनियर डाक्टरों व एचओडी की जिम्मेदारी तय की गयी है। एक एक संक्रमित मरीज को बराबर वॉच किया जा रहा है। इलाज का फीड बैक ले रहे हैं। रिकवरी रेट तेजी से बढेगा।

जिले में लगातार बढ़ रही कोविड मरीजों की संख्या के बाद प्रशासन ने लापरवाही बरतने वालों के खिलाफ सख्ती शुरू कर दी है। जिसके चलते रविवार को पूरे जिले में मास्क न पहनने वाले लोगों के खिलाफ सघन अभियान चलाया गया। इस दौरान पुलिस ने जहां कई लोगों के चालान काटे। वहीं, क्षेत्र में मास्क वितरण करते हुए लोगों को मास्क पहनने की ताकीद की। बताते चले कि जिले में कोरोना मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है।

जिसके चलते पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों के निर्देश पर पूरे जिले में मास्क न पहनने वालों के खिलाफ सघन अभियान चलाया जा रहा है। जिसके तहत जनपद के थाना प्रभारियों ने चेकिंग प्वाइंटों पर पुलिसकर्मियों के साथ सघन चेकिंग अभियान चलाया।

इस दौरान पुलिसकर्मियों ने बिना मास्क पहने सड़क पर घूम रहे कई वाहन चालकों का चालान काटा। वहीं, माफी मांगने पर कई लोगों को मुफ्त में मास्क बांटते हुए उन्हें हमेशा मास्क पहनकर घर से निकलने की ताकीद की। पुलिस अभियान के चलते कोरोना गाइड लाइन की धज्जियां उड़ाने वाले वाहन चालकों में हड़कंप मचा रहा।

उधर, एसपी सिटी डा. अखिलेश नारायण सिंह का कहना है कि मास्क नहीं पहनने वालों के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। कोरोना गाइड लाइन की धज्जियां उड़ाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है।

कोरोना के काल में समा गए कई दिग्गज

कोरोना काल में कई ऐसे दिग्गज समा गए, जिनकी कल्पना तक नहीं की जा सकती, लेकिन यह वो सत्य है जिसको झुठलाया नहीं जा सकता है। दरअसल, कोरोना की चपेट में वो दिग्गज आए, जिनको सरकारी सिस्टम बचा नहीं सका। इसमें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की कैबिनेट के दो मंत्री भी ऐसे है जो कोरोना वैश्विक महामारी में समा गए। यही नहीं, कई विपक्षी दलों के नेता भी कोरोना की चपेट में आकर अपनी जान गवां चुके हैं, लेकिन सरकारी सिस्टम इतना लचर है कि कैबिनेट मंत्री चेतन चौहान के मौत के मामले में विधानसभा में भी लापरवाही के सवाल गूंजे हैं। बावजूद इसके सरकारी सिस्टम ने नहीं सुधरने की कसम खा ली है। यही नहीं, कोरोना संक्रमण अभी थमा नहीं है। अब आगे किस-किसको अपनी चपेट में लेगा यह कहना अभी मुश्किल होगा। जबकि लोगों को अभी और भी अधिक सावधानी बरतने की जरूरत है। ऐसे वीवीआईपी की लंबी लिस्ट है, जिनको कोरोना का डंक लगा है। ऐसे कद्दावर वीवीआईपी में योगी कैबिनेट के दो मंत्रियों चेतन चौहान व कमला रानी वर्मा भी शामिल हैं। इनके अलावा कांग्रेस के बडे नेता अहमद पटेल की जिंदगी भी कोरोना संक्रमण ने छीनी। कोरोना के चलते उपचार के दौरान जिनकी मौत हो गयी।

उत्तर प्रदेश के 14 मंत्री संक्रमण की चपेट में आ चुके हैं। कैबिनेट मंत्री सरीखों की यदि कोरोना संक्रमण से सुरक्षित नहीं जिनके पास तमाम सुविधाएं हैं। अच्छे से अच्छा इलाज उनकी पहुंच में है तो फिर विभाग खासतौर से स्वास्थ्य विभाग के दावों पर सवाल उठाए जाएंगे ही। ऐसे वीआईपी की सूची काफी लंबी है जो कोरोना संक्रमण की चपेट में आए हैं।

इनमें यदि यूपी के वीआईपी की बात की जाए तो औद्योगिक विकास मंत्री सतीश महाना, कैबिनेट मंत्री सिद्धार्थ नाम सिंह, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह, मेरठ हापुड़ लोस सांसद राजेन्द्र अग्रवाल, भूपेन्द्र सिंह चौधरी, चौधरी उदयभान सिंह, अतुल गर्ग, जय प्रताप सिंह, राजेन्द्र सिंह उर्फ मोती सिंह, ब्रजेश पाठक, महेन्द्र सिंह, धरम सिंह सैनी, रघुराज सिंह शाक्य, उपेन्द्र तिवारी सरीखे मंत्री भी संक्रमण की चपेट में आ चुके हैं।

अन्य जो आए चपेट में

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, कर्नाटक के सीएम बीएस येदुयिरप्पा, हरियाणा के सीएम मनोहर लाल खटटर, पंजाब के सीएम कैप्टन अमरिंदर सिंह, झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन, हिमाचल के सीएम जयराम ठाकुर के अलावा कई केंद्रीय मंत्री भी संक्रमित हो चुके हैं इनमें बड़ा नाम गृहमंत्री अमित शाह का है। इनके अलावा धर्मेंद्र प्रधान, कृष्ण पाल गुर्जर, गजेन्द्र सिंह शेखावत सरीखे केंद्रीय मंत्री संक्रमण की चपेट में आ चुके हैं।

इसको लेकर जब स्वास्थ्य विभाग के विशेषज्ञों से बात की गयी तो उन्होंने दो टूक कहा कि कोरोना अमीर गरीब या छोटे-बडें को नहीं देख रहा है। यदि संसाधनों की बात है तो फिर अमेरिका जैसे बडे राष्ट्र के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी संक्रमित हो चुके हैं। अमेरिका के लिए तो यह भी नहीं कह सकते कि वहां स्वास्थ्य सुविधाओं की कोई कमी हैं या आम आदमी की पहुंच से स्वास्थ्य सुविधाएं दूर हैं। अमेरिका ही नहीं कई अन्य मुल्कों के राष्ट्राध्यक्ष इसकी चपेट में आ चुके हैं।

Denik Meerut Darpan 30 november 2020_Denik Meerut Darpan 30 november 2020.qxd 11/30/2020 3:44 PM Page 4

क्रिकेट के फलक पर मेरठ ने बड़ी की अपनी लकीर, वरिष्ठ खिलाड़ियों ने बढ़ाया आत्मविश्वास

मेरठ, एजेंसी। जनपद के खिलाड़ी क्रिकेट के मैदान में अपनी लकीर बड़ी करते जा रहे हैं। गेंदबाजी हो या बल्लेबाजी। टेस्ट हो, वनडे हो या फिर टी-20। हर फार्मेट में क्रांतिधरा के होनहारों ने डंका बजाया है। उत्तर प्रदेश की अंडर-16 से रणजी ट्राफी तक और बीसीसीआइ की अंडर-19 इंडिया टीम से सीनियर, इंडिया-ए और टीम इंडिया में भागीदारी बढ़ रही है। कड़ी प्रतिस्पर्धा, स्तरीय प्रशिक्षण और वरिष्ठ खिलाडियों के पदचिह्नों पर चलने का जज्बा युवाओं को ऊंचे मुकाम तक पहुंचा रहा है।

कड़ी प्रतिस्पर्धा ने निखारा हुनर

मेरठ कालेज क्रिकेट एकेडमी के कोच संजय रस्तोगी के अनुसार अंडर-14 में बालकों को चुनकर अनुशासित माहौल में प्रशिक्षण दिया जाता है। इस आयु वर्ग में 12 साल के बच्चे भी होते हैं जिन्हें सिखाने का अधिक समय मिलता है। एकेडमी स्तर पर ही खिलाडियों को अधिक मैच खेलने का मौका देते हैं। कड़ी प्रतिस्पर्धा में जो बच्चे निकलते हैं उन्हें आगे बढने में कोई दिक्कत नहीं होती। प्रियम गर्ग, उमंग शर्मा, शिवम चौधरी, शिवम बंसल, प्रशांत चौधरी, समीर चौधरी, समीर रिजवी, संदीप तोमर, कार्तिक त्यागी, पूर्णांक त्यागी सहित दर्जनों बोर्ड खिलाड़ी इसी प्रक्रिया से निकले हैं।

प्रतिभा को मिलता है मौका

मेरठ डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव सुरेंद्र चौहान के अनुसार पारदर्शी चयन प्रक्रिया में हुनरमंद को ही मौका मिलता है। ज्यादातर उभरते खिलाड़ी आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के हैं। उन्हें आर्थिक मदद भी मुहैया कराई जाती है। इसके नतीजे भी अच्छे मिले हैं। यहां बच्चों में खेल के प्रति जज्बा है।

सीनियर के साथ बढ़ता है आत्मविश्वास

अंतरराष्ट्रीय व आइपीएल खिलाड़ी कर्ण शर्मा के अनुसार जिस तरह वह प्रवीण कुमार को देख प्रेरित हुए उसी तरह जब वह, भुवनेश्वर, प्रियम नए क्रिकेटर्स के साथ खेलते हैं, अपने अनुभव साझा करते हैं तो उनको इसका लाभ मिलता है। वह हमारे जैसा बनना चाहते हैं। इससे आत्मविश्वास बढ़ता है और वह जैसा बनना चाहते हैं वैसा ही खेलने की कोशिश भी करते हैं।

बाहरी खिलाड़ी यहां आते हैं खेलने

फनगेज के स्पोर्ट्स हेड शुभम सिंह के अनुसार मेरठ सर्किट का क्रिकेट देश के कई राज्यों के बराबर है। प्रवीण कुमार के समय जहां क्लबों में 15-20 बच्चे होते थे, वहां अब डेढ़ सौ से दो सौ बच्चे हैं। यहां बाहर के खिलाड़ी भी आते हैं। सचिन तेंदुलकर की तरह काफी कम उम्र में रणजी खेलने वाले जम्मू के बल्लेबाज शुभम बजूरिया ने मेरठ में छह महीने रहकर प्रैक्टिस की। यहां से लौटकर गए तो मुंबई में दमदार प्रदर्शन किया। मेरठ के खिलाडियों में व्याप्त अनुशासन और प्रदर्शन की ललक ही इन्हें ऊंचाई तक ले जा रही है। बिना किसी सिफारिश के खिलाड़ी विभिन्न स्तर पर चयनित होकर अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। उसी प्रदर्शन के आधार पर उनका चयन आगे की प्रतियोगिताओं में भी हो रहा है।

दौराला में अज्ञात वाहन की टक्कर से किसान की मौत, मुकदमा दर्ज

मेरठ, एजेंसी। मेरठ में दौराला थाना क्षेत्र के सरधना रोड पर रविवार देर रात अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार किसान की मौत हो गई। राहगीरों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। शव की शिनाख्त के बाद मृतक के परिजनों को सूचना दी गई। पुलिस ने शव मर्चरी पहुंचा दिया। पीड़ित परिवार की तहरीर पर अज्ञात वाहन के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

इंचौली थाना क्षेत्र के जमालपुर निवासी 42 वर्षीय सुभाष पुत्र कालू किसी काम शनिवार दिन में सरधना गया था। शानिवार रात को सुभाष बाइक से वापस अपने घर को रवाना हुआ। दौराला सरधना मार्ग पर मिल के नजदीक अज्ञात वाहन ने बाइक सवार सुभाष को जोरदार टक्कर मार दी। सुभाष की मौके पर ही मौत हो गई थी। ड्राइवर गाड़ी को लेकर फरार हो गया। राहगीर की सूचना पर दौराला पुलिस मौके पर पहुंची। मोबाइल और आधार कार्ड से शव की शिनाख्त हुई।

मेरठ तहसील में सबसे अधिक और मवाना में सबसे कम वोटर

मेरठ, एजेंसी। उप्र विधान परिषद मेरठ खंड शिक्षक व स्नातक सीट के लिए एक दिसंबर को मतदान होगा। इस मतदान में सबसे अधिक वोटर मेरठ तहसील के होंगे। जबकि सबसे कम मवाना के वोटर अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। मेरठ खंड शिक्षक व स्नातक चुनाव के लिए सोमवार को दोपहर बाद तक सभी पोलिंग पार्टियां अपने मतदान केंद्रों पर पहुंच जाएंगी। भामाशाह पार्क से यह पोलिंग पार्टियां रवाना की गई हैं। वहीं, एमएलसी चुनाव में इस बात को लेकर भी निगाहें लगी हुई हैं कि मेरठ की किस तहसील में सबसे अधिक मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। इनमें सबसे अधिक वोटर मेरठ तहसील के हैं। जबकि सबसे कम मवाना तहसील के है। शिक्षक व स्नातक दोनों ही सीटों पर यही स्थिति है।

मेरठ में ही जमा होंगी नौ जिलों की मतपेटियां

मेरठ खंड शिक्षक व स्नातक चुनाव के बाद मतपेटियां कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच परतापुर कताई मिल में जमा होंगी। उप जिला निर्वाचन अधिकारी व एडीएम प्रशासन मेरठ मदन सिंह गर्ब्याल का कहना है कि मेरठ जिले के साथ ही मेरठ व सहारनपुर मंडल के बाकी आठ जिलों की मतपेटियां भी कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच मतदान के बाद वहां से लाकर परतापुर कताई मिल में ही जमा करायी जाएंगी। तीन दिसंबर को गिनती की जाएगी।

दो दिसंबर को होगी दूसरी ट्रेनिंग

तीन दिसंबर को होने वाली मतगणना कार्मिकों की पहली ट्रेनिंग रविवार को दो पालियों में करायी गई। अब दूसरी ट्रेनिंग दो दिसंबर को होगी। सनातन धर्म इंटर कालेज सदर में ही यह करायी जाएगी।

प्रेक्षक शिक्षक व डीएम ने किया पोलिंग पार्टी रवाना स्थल का निरीक्षण

मेरठ। मेरठ खंड स्नातक एवं शिक्षक निर्वाचन 1 दिसंबर 2020 को होगा जिसके लिए विक्टोरिया पार्क से आज पोलिंग पार्टी रवाना हुई। जनपद मेरठ में स्नातक के लिए 77 व शिक्षक के लिए 30 बूथ बनाए गए हैं जिस पर 107 पोलिंग पार्टियां विक्टोरिया पार्क से रवाना हुई एक पोलिंग पार्टी में एक पीठासीन अधिकारी व 3 मतदान अधिकारी हैं निर्वाचन आयोग द्वारा नियुक्त किए गए प्रेक्षक-शिक्षक श्री सत्येंद्र कुमार सिंह आईएएस व जिलाधिकारी के बालाजी ने पोलिंग पार्टी रवाना स्थल विक्टोरिया पार्क का निरीक्षण किया।

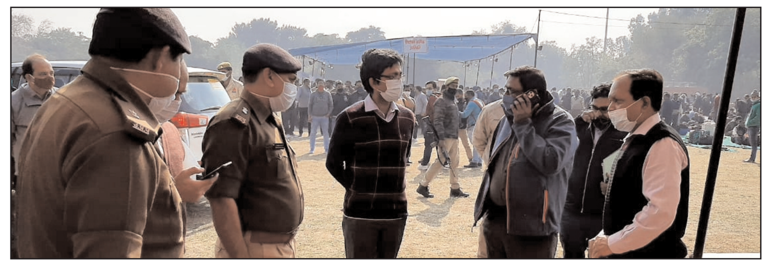

जिलाधिकारी के बालाजी ने बताया कि मेरठ खंड स्नातक निर्वाचन के लिए मेरठ व सहारनपुर मंडल के सभी नौ जनपदों में मिलाकर 113 मतदान केन्द्र व 372 मतदेय स्थल (सहायक बूथ सहित) बनाये गये है। मेरठ खंड षिक्षक निर्वाचन के लिए मेरठ व सहारनपुर मंडल के सभी नौ जनपदों में मिलाकर 111 मतदान केन्द्र व 116 मतदेय स्थल (सहायक बूथ सहित) बनाये गये है। मेरठ में स्नातक के लिए 77 बूथ व 31 मतदान केन्द्र तथा षिक्षक निर्वाचन के लिए 30 बूथ व 30 मतदान केन्द्र है।

जिलाधिकारी के0 बालाजी ने बताया कि मतदान 01 दिसम्बर 2020 को प्रातः 08.00 बजे से सांय 05.00 बजे तक होगा। उन्होने बताया कि स्नातक के लिए 30 व षिक्षक निर्वाचन के लिए 15 प्रत्याषी चुनाव लड रहे है। उन्होने बताया कि मतपत्र में नोटा का विकल्प नहीं होगा तथा प्रथम वरीयता देना मतदाता को आवष्यक होगा। स्नातक के लिए सफेद व षिक्षक के लिए गुलाबी बैलेट पेपर होगा। जिलाधिकारी के0 बालाजी ने बताया कि स्नातक निर्वाचन के लिए मेरठ में 60235 व षिक्षक निर्वाचन के लिए 5465 मतदाता है। उन्होने बताया कि मेरठ व सहारनपुर मंडल के सभी नौ जनपदों में मिलाकर स्नातक के लिए 297367 व षिक्षक के लिए 32867 मतदाता है। उन्होने बताया कि मतगणना 03 दिसम्बर 2020 को होगी। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी प्रषासन मदन सिंह गर्ब्याल, नगर अजय तिवारी सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

किसानों की दो टूक, मांगें न मानी तो दिल्ली में खाद्य पदार्थों की आपूर्ति कर देंगे बंद

गाजियाबाद, एजेंसी। केंद्र सरकार भले ही कृषि कानून पर किसानों से बात करने को तैयार है लेकिन किसान दिल्ली की सीमाओं को छोड़ने को तैयार नहीं हैं। किसानों का कहना है कि सरकार उन्हें बुराड़ी भेज कर दिल्ली बार्डर खाली करवाना चाहती है। यदि बुराड़ी गए तो उनकी मांगे और उन्हें दरकिनार कर दिया जाएगा। यूपी गेट पर डटे किसान फसल का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) निर्धारित करने और एमएसपी से नीचे खरीदारी करने वालों पर कार्रवाई करने के लिए कानून बनाने की मांग कर रहे हैं। किसानों की मांगें नहीं मानी गई तो वह सभी हाईवे जाम कर दिल्ली में खाद्य पदार्थों की आपूर्ति बंद कर देंगे। केंद्रीय कृषि कानूनों के विरोध में दिल्ली सीमा यूपी गेट पर सैकड़ों की तादाद में किसान डटे हुए हैं। उत्तराखंड के विभिन्न जिलों से भी किसान आंदोलन में शामिल होने के लिए पहुंचे हैं। यूपी गेट पर सोमवार सुबह दो बार किसान और जवान आमने-सामने आ गए। किसानों ने दो बार बैरिकेड को हटाकर दिल्ली में प्रवेश करने का प्रयास किया। हालांकि किसान बाद में वापस धरना स्थल पर बैठ गए। किसानों का ऐसा करने का मकसद सिर्फ सरकार को यह बताना था कि वह शांत नहीं बैठेंगे।

सोमवार सुबह से ही यूपी गेट पर जय जवान जय किसान के नारे लग रहे हैं। उत्तराखंड के रुद्रपुर के रहने वाले किसान गुरप्रीत अटवाल का कहना है कि वह करीब चार सौ की संख्या में यूपी गेट पर पहुंचे हैं। उनका कहना है कि सरकार बुराड़ी में बुलाकर उन्हें दरकिनार करना चाह रही है। जब तक उनकी मांगें नहीं मानी जाती तब तक वह यूपी गेट पर डटे रहेंगे। यदि सरकार उनकी मांगे नहीं मानती है तो दिल्ली के सभी बार्डर पर बैठे किसान हाइवे जाम कर दिल्ली में खाद्य पदार्थों की आपूर्ति ठप कर देंगे।

वाहनों को किया गया है डायवर्ट

सप्ताह के पहले दिन सोमवार को वाहनों का दबाव ज्यादा है। यूपी गेट फ्लाईओवर के नीचे किसान बैठे हैं। ऐसे में लिंक रोड से दिल्ली की ओर जाने वाले वाहनों को डाबर तिराहे से डायवर्ट कर आनंद विहार की ओर निकाला जा रहा है। दिल्ली मेरठ एक्सप्रेसवे के वाहनों यूपी गेट फ्लाईओवर के ऊपर से निकाला जा रहा है। फ्लाईओवर के नीचे के सभी रास्ते बंद हैं।